गोगाजी बिरहन को क्यूँ बिसराया | By Pooja Shrivastava

होंठों पर है नाम तुम्हारा
निसदिन करती ध्यान तुम्हारा
फिर क्यों मेडी ना बुलाया
गोगाजी क्यूँ बिरहन को बिसराया

मैं तो पुजारन एक दुखियारन
दर्शन की आस है ये ही बस सुमिरन
भक्ति तुम्हारी बाबा मेरी कमाई
तुम बिन कौन मेरा बोलो न सहाई
तुझमे ही मन को रमाया
गोगाजी क्यूँ बिरहन को बिसराया

जाहरवीर मेरे करूँ पुकार जी
तुम पर भरोसा मेरा तुम्ही सरकार जी
भूल हुई क्या इतना बता दो
चरणों से गोगा जी अपने लगा लो
रोते हुए को हंसाया
गोगाजी क्यूँ बिरहन को बिसराया

बिगड़ी मेरी तुम ही बनाओ
जाहरवीर मुझे मेडी बुलाओ
मन मंदिर तुम्ही गोगाजी समाये
भक्ति की राह बाबा तुम्ही ने दिखाए
क्यूँ निर्मल खाली आया
गोगाजी क्यूँ बिरहन को बिसराया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b8/